चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	11-10-23		

The Tribune
ESTABLISHED IN 1881

Khattar calls upon farmers to adopt crop diversification

TRIBUNE NEWS SERVICE

HISAR, OCTOBER 10

Chief Minister Manohar Lal Khattar urged farmers to embrace crop diversification, with the government offering incentives, including Rs 7,000 per acre to promote the cultivation of crops other than paddy, as part of the water conservation efforts.

Addressing farmers during the closing ceremony of Haryana Agricultural Development Fair at Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University here today, he praised the farmers for their contributions in agriculture and other fields.

Describing Haryana as a farmer-oriented state, the CM said farmers have made a lot of progress in the field of agriculture. "Farmers have started cultivating cash crops along with new crops. The government is also committed to incentivise and educate farmers on farming techniques and technology", he added.

The CM took pride in the accomplishments of the state's farmers and their children, who have brought glory to Haryana. He mentioned that in the recent Asian Games, Haryana's players secured an impressive 30 per cent of the total medals.

Khattar said the apex court has affirmed Haryana's rights concerning the SYL canal. "The canal will be constructed in compliance with the Supreme Court's directives", he said while rapping the AAP for dual stance on the issue. "Farmers understand the double-faced politics and their double-faced politics. It will not work here," he said.

Agriculture Minister JP Dalal said a kisan mela will be organised in Hisar on the lines of Surajkund Fair in future with the aim of disseminating the latest agricultural research and technology to farmers.

Chief Minister Manohar Lal Khattar at the Krishi Mela in HAU, Hisar, on Tuesday. TRIBUNE PHOTO

FASAL MANDI AT GANAUR SOON

- A fasal mandi spanning 550 acres in Ganaur, with an investment of ₹2,600 crore, will be developed
- A budget allocation of ₹ 151 crore has been made for the removal of all high-tension wires passing over houses
- Pension for senior citizens will soon be increased to ₹3,000, the Chief Minister said

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.10.23	5	5-7

मिट्टी-पानी अच्छा तो फसल अच्छी : सीएम

एचएयू के कृषि मेले में सीएम ने किसानों से किया प्राकृतिक खेती अपनाने का आह्वान

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने किसानों से कहा कि किसान फसलों में यूरिया आदि का इस्तेमाल करते हैं, जिससे पैदावार तो बढ़ती है मगर लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ता है। इसलिए किसान पहले मिट्टी व पानी की जांच करवाएं और रिपोर्ट के आधार पर बीज, सिंचाई व खाद आदि का इस्तेमाल करें। अगर खेत की मिट्टी व पानी अच्छा होगा तो फसल अच्छी होगी और हमारी सेहत भी तंदुरुस्त रहेगी। मुख्यमंत्री ने किसानों से प्राकृतिक खेती की तरफ बढ़ने का आह्वान किया। ये बातें उन्होंने मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि विकास मेले के समापन समारोह में कहीं।

हिसार। मुख्यमंत्री मनोहर लाल हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले के समापन समारोह में किसानों को सम्मानित करते हुए।

जींद के भरत को बंपर इनाम में मिला ट्रैक्टर

मुख्यमंत्री ने लकी ड्रॉ भी निकाला। इसमें किसानों को कुल 16 लाख रुपये इनाम दिए गए। इनमें सबसे बड़ा बंपर इनाम ट्रैक्टर जींद के गांव मोहनखेड़ा निवासी भरत सिंह को मिला। पहला इनाम छोटा ट्रैक्टर फतेहाबाद के गांव किरढान निवासी अजीत सिंह, दूसरा इनाम लैंड लेवलर फतेहाबाद के गांव टिब्बी निवासी सुरजीत, तीसरा इनाम सुपर सीडर बठिंडा के गांव गंगा अबलू की निवासी गुरपिंदर सिंह और चौथा इनाम पावर वीडर जींद के गांव दालीड़ी निवासी अंकित को दिए गए। दो इनाम फतेहाबाद के किसानों को मिलने पर मुख्यमंत्री ने मजाकिया लहजे में कहा कि क्या कोई सेटिंग है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाजरे की ज्यादा मांग नहीं है, जिस कारण एफसीआई भी हमसे बाजरा नहीं खरीदता। इस बार हम ढाई लाख मीट्रिक टन ही बाजरा खरीद सकेंगे, जबकि उत्पादन 6 लाख मीट्रिक टन है। 25 सितंबर से हैफेड बाजरे की खरीद कर रहा है। हैफेड 2200 रुपये से खरीद शुरू कर रहा है। जो किसान अपनी फसल बेच चुके हैं और जो नहीं बेचेंगे उन्हें भी 300 रुपये भावांतर के माध्यम दिए जाएंगे, ताकि एमएसपी 2500 रुपये पूरा किया जा सके।

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि इस मेले में जिन तकनीकों का प्रदर्शन किया गया, किसान उन्हें अपनाएं। सरकार इस मेले का सूरजकुंड मेले की तर्ज पर देश का सबसे बड़ा मेला बनाएगी। देश की ही नहीं, विदेशी कंपनियां भी मेले में आएं, जो नवाचार विदेश में हो रहे हैं, उनका प्रदर्शन यहां पर होगा।

एसवाईएल के मामले पर हम दोगली राजनीति नहीं चलने देंगे : मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने एसवाईएल के मुद्दे पर कहा कि हम पानी के लिए लड़ाई खूब लड़ रहे हैं। पानी हमारा है। एक प्रदेश उसे रोके बैठा है।

सुप्रीम कोर्ट का निर्णय नहीं मान रहा है। एसवाईएल के मुद्दे पर उन्होंने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दोगलीवाल बताते हुए कहा कि हम दोगली राजनीति नहीं चलने देंगे। उन्होंने कहा कि अब भी पानी को रोकने के लिए पंजाब कुछ न कुछ बोलता रहता है। उन्हीं का एक राजनीतिक भाई दिल्ली कहता है कि पानी और दो। ये पानी देने के लिए मना करते हैं और वो पानी लेने के लिए लड़ाई करते हैं। हरियाणा को पानी नहीं मिल रहा है। अब पानी लेने के लिए कुछ न कुछ तो करना पड़ेगा।

इन प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित : समारोह में मुख्यमंत्री की ओर से सम्मानित होने वाले 20 प्रगतिशील किसानों में यमुनानगर से गुलाब सिंह व सुखविंदर सिंह, सोनीपत से जसबीर, कुरुक्षेत्र से अनिल, परविंदर व सुरेश, मेवात से समसू, अंबाला जिले से मेवा सिंह, कैथल से निर्मल व मनीष कुमार, झज्जर से रमेश व विनय कुमार, रोहतक से नरेंद्र, पंचकूला से ओमप्रकाश, पलवल से लीखी व बलराम, रेवाड़ी जिले से अमर, फरीदाबाद से रामकरण व सुशील चंद और भिवानी से अमित कुमार।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	11.10.23	5	5-8

दो लाख किसानों ने खरीदे 2.02 करोड़ रुपये के बीज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में हुए तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब दो लाख किसान शामिल हुए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के अनुसार मेले के तीन दिनों में किसानों ने करीब 2.02 करोड़ रुपये के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिश शुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 70 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। किसानों को रबी मौसम की फसलों व सब्जियों के बीज तथा फलों की नर्सरी आदि उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय ने मेला स्थल पर सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बीज बिक्री की पर्याप्त व्यवस्था की थी। बीज के अलावा किसानों ने 1.91 लाख रुपये के जैव उर्वरक तथा 97 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें खेती से संबंधित नवीन प्रौद्योगिकियों व नवाचारों के बारे में जानने का अवसर मिलता है। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला स्थल पर किसानों ने विश्वविद्यालय की ओर से मिट्टी व पानी जांच के लिए की गई व्यवस्था का भी लाभ उठाया और उन्होंने कुल 900 नमूने टेस्ट करवाए।

मेले में हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश राज्यों से करीब दो लाख किसान हुए शामिल

कृषि मेले में रामधन बीज फार्म में बीज के लिए लाइन में लगे किसान। • जागरण।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
[illegible]	[illegible]	2	1-3

कृषि विकास मेला संपन्न

3 दिनों में किसानों ने जानी खेती की नई तकनीकें

ड्रोन, प्राकृतिक खेती व मिलेट फसलों के उत्पादन से जुड़ी तकनीकों के बारे में जाना, किसानों ने मेले के दौरान खरीदे 2.02 करोड़ रुपए के रबी फसलों के बीज

[illegible]

किसानों की आय बढ़ाने के लिए हरियाणा में 600 से अधिक एफ.पी.ओ. बनाए - कृषि मंत्री

[illegible]

विश्वविद्यालय के लिए किसानों का हित सर्वोपरि : कुलपति

[illegible]

इन प्रगतिशील किसानों को किया गया सम्मानित

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.10.22	2	2-7

कृषि विकास मेला संपन्न • एचएयू में किसानों ने खरीदे 2.02 करोड़ रुपए के रबी फसलों के बीज

मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए 2500 रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से बाजरा खरीदेगी सरकार: सीएम

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेले में किसानों ने रबी फसलों के 2.02 करोड़ रुपए के बीज खरीदे। मेले में तीसरे व अंतिम दिन मंगलवार को हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों से करीब 58 हजार किसान शामिल हुए।

सोमवार तक इस मेले में शिरकत करने वाले किसानों की संख्या करीब 1.41 लाख दर्ज की गई थी। मेले में मुख्य अतिथि पहुंचे मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि मोटे अनाज को बढ़ावा देने के लिए बाजरे की खरीद 2500 रुपए प्रति क्विंटल पर की जाएगी। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ड्रॉ निकाले। इसमें जींद जिले के मोहन खेड़ा गांव के किसान भरत सिंह को जॉन डियर ट्रैक्टर मिला। फतेहाबाद जिले के किरढान गांव के अजीत सिंह को 3.50 लाख रुपए कीमत का ट्रैक्टर इनाम में निकला।

जींद के किसान भरत सिंह व फतेहाबाद के अजीत ने जीते ट्रैक्टर, पंजाब के गुरपिंदर की निकली सुपर सीडर मशीन

हिसार | कृषि विकास मेले में किसानों को सम्मानित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल व कृषि मंत्री जेपी दलाल।

फतेहाबाद के ही ठिठ्ठी गांव के सुखबीर को 2.50 लाख रुपए कीमत की लैंड लेवलर मशीन, पंजाब के गंगा अब्दुल गांव के गुरपिंदर सिंह को 1.75 लाख रुपए राशि की सुपर सीडर मशीन तथा जींद जिला के दरौली खेड़ा के किसान अकिल को 74 हजार रुपए की कीमत की इलेक्ट्रिक पावर वीडर मशीन इनाम में निकली। पंजाब के किसान गुरपिंदर को मोबाइल फोन पर मेले के मंच से ही सीएम ने बधाई दी।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा संकलित तीन पुस्तकों का विमोचन किया। इन पुस्तकों में कृषि बागवानी प्राकृतिक खेती फसल उत्पादन बिक्री समेत नवीनतम कृषि तकनीक एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी जुटाई गई है। इस अवसर पर प्रदेश के 20 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। इनमें यमुनानगर जिले से गुरनाम सिंह व सुखविंदर सिंह, सोनीपत जिले से जयवीर, कुरुक्षेत्र जिले से अनिल, परविंदर व सुरेश, कैथल जिले से रामफूल, अम्बाला जिले से मेवा सिंह, कैथल जिले से निर्मल व मनीष कुमार, झज्जर जिले से रमेश व किशन कुमार, रोहतक जिले से नरेन्द्र, पंचकूला जिले से ओमप्रकाश, पलवल जिले से लेखराम व बलराम, रेवाड़ी जिले से अमर फतेहाबाद से रामस्वरूप व सुशील चंद तथा भिवानी जिले से अनिल कुमार शामिल हैं।

50 किसान उपराष्ट्रपति के साथ 13 अक्टूबर को करेंगे भोज

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कृषि प्रधान राज्य हरियाणा के किसानों की मेहनत और अथक परिश्रम की सराहना करते हुए नए संसद भवन में 50 किसानों को भोज के लिए आमंत्रित किया है। कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल के नेतृत्व में 50 किसानों का प्रतिनिधिमंडल 13 अक्टूबर को नए संसद भवन पहुंचेगा। किसानों के लिए यह एक अभूतपूर्व क्षण होगा, जब भोज के दौरान हरियाणा की कृषि विरासत का एक अनोखा उत्सव देखने को मिलेगा। जेपी दलाल ने कहा कि भारत का अन्न भंडार कहा जाने वाला हरियाणा देश के कृषि परिदृश्य में अग्रणी रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	11.10.23	4	2-6

हिसार | कृषि मेले में मुख्यमंत्री मनोहर लाल और वीसी प्रो. बीआर कांबोज बाजरे के सिट्टे को देखते हुए।

हिसार | एचएयू के कृषि मेले से गेहूं का बीज लेकर जाते किसान। वहीं मेला में पहुंचे किसान बीज के लिए लंबी लाइनों में लगे रहे। कई किसानों को बीज नहीं मिल सके। बीज काउंटर्स के बाहर किसान लंबी लाइनें लगाकर बैठे रहे।

समापन • एचएयू में तीन दिवसीय मेले में करीब दो लाख किसानों ने किया दौरा, कृषि मंत्री बोले

सूरजकुंड मेले की तर्ज पर किसान मेले को विस्तार दिया जाएगा, इंटरनेशनल लेवल पर होगी पहचान

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में लगने वाले किसान मेले को सूरजकुंड मेले की तर्ज पर आयोजित करवाया जाएगा। मेले में इंटरनेशनल स्तर की कृषि तकनीकें, नवीनतम अनुसंधान और प्रौद्योगिकी से किसान अवगत हो सकेंगे। यह बात किसान मेला के समापन पर कृषि मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में करीब 8 लाख एकड़ क्षेत्र सेम ग्रस्त है। इस वर्ष 70 हजार एकड़ भूमि के सुधारीकरण का लक्ष्य रखा गया है। गन्नौर में 2600 करोड़ रुपए की राशि से 550 एकड़ भूमि पर फसल मंडी का निर्माण किया जाएगा। बीमार पशुओं की इलाज के लिए 200 एम्बुलेंस गाड़ियों की खरीद की जाएगी। फिलहाल 70 गाड़ियों की खरीद के ऑर्डर दिए जा चुके हैं।

किसानों की आय बढ़ाने के लिए 600 से ज्यादा एफपीओ बनाए गए हैं जो किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे। उन्होंने कहा कि छोटे किसानों के लिए सरकार ने पशुधन क्रेडिट कार्ड योजना व पशुओं का बीमा जैसी योजनाएं चलाई हैं। साथ सरकार पशुओं के इलाज के लिए कॉल सेंटर भी खोलने जा रही है, जहां पशुपालक एक टोल फ्री नंबर पर बीमार पशु की सूचना दर्ज करवा सकेंगे, जिसके बाद पशु चिकित्सा वैन उनके घर आएगी और चिकित्सकों की टीम निःशुल्क इलाज करेगी। इस अवसर पर भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बराला, बरवाला विधायक जोगीराम सिहाग, हांसी के विधायक विनोद भ्याणा, रतिया के विधायक लक्ष्मण नापा, मार्केटिंग बोर्ड के चेयरमैन आदित्य देवी लाल, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, हरियाणा के महानिदेशक डॉ. नरहरि बांगड़ मौजूद थे।

सरसों की आरएच 725 और गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 बीज की रही डिमांड : प्रो. काम्बोज

एचएयू कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों, सब्जियों, तिलहनों, चारा आदि की 284 उन्नत किस्में विकसित की हैं। विवि ने हाल ही में बाजरे, ज्वार, गेहूं व सरसों की नई-नई किस्में विकसित की हैं व मोटा अनाज वाली फसलों पर भी शोध कार्य चल रहा है। यहां तैयार की गई बाजरे की बायो-फोर्टीफाइड किस्म एचएचबी 299 लौह तत्व व जिंक से भरपूर है। उच्च गुणवत्ता वाली गेहूं की डब्ल्यूएच 1270 व सरसों की आरएच 725 किस्में किसानों को खास पसंद आ रही है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष 18500 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया है। कृषि विभाग के प्रधान सचिव एवं महाराणा प्रताप बागवानी विश्वविद्यालय, करनाल आईएएस में प्रधान सचिव विजयेंद्र कुमार ने विभाग द्वारा किसानों के हितों में चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी।

एसवाईएल पर आप का चेहरा आया सामने : मनोहर लाल

सीएम एचएयू के कृषि मेले में सीएम मनोहर लाल ने कहा एसवाईएल नहर हरियाणा का हक है। इस नहर पर आम आदमी पार्टी का चेहरा सामने आया है। प्रदेश का किसान दोगली राजनीति को समझता है, यहां यह राजनीति चलने नहीं दी जाएगी। एसवाईएल पर सुप्रीम कोर्ट ने भी हमारे हक पर मुहर लगा दी है। उन्होंने कहा कि एसवाईएल हरियाणा का हक है और इसे सुप्रीम कोर्ट के फैसले के मद्देनजर लागू करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के किसानों के बेटे-बेटियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। हाल ही में हुए एशियन गेम्स में 30 प्रतिशत मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं।

एसई बोले, यह तो हेडक्वार्टर लेवल का मामला मुख्यमंत्री ने कहा - मैं बैठा हूं हेड क्वार्टर

बिजली निगम में लगे कर्मचारी जन संवाद कार्यक्रम में पहुंचे। उन्होंने कहा कि यूएचबीवीएन में 1307 कर्मचारी लगे हैं। इनमें यूएचबीवीएन और डीएचबीवीएन में अभी इंटर यूटिलिटी ट्रांसफर होती है। डीएच में यूएच से कम कर्मचारी है। ऐसे में जितने कर्मचारी डीएच से यूएच में जाते हैं उतने ही वापस ट्रांसफर होते हैं। इसलिए ओपन यूटिलिटी ट्रांसफर खोले जाएं। सीएम ने एसई बिजली निगम से पूछा तो उन्होंने कहा कि यह तो हेडक्वार्टर लेवल का मामला है, सीएम ने कहा मैं बैठा हूं हेडक्वार्टर, आपका चंडीगढ़ जाकर हल निकलवाऊंगा। बिजली निगम में कंपनी के जरिए ठेके पर काम कर रहे 2500 मीटर रीडर्स को एचकेआरएन में कन्वर्ट करने की भी मांग उठाई, सीएम ने कहा कि कंपनी वालों को एचकेआरएन में नहीं रख सकते, आप अपनी शिकायत दे दें इस बारे में विचार करेंगे। वहीं सीएम के जनसंवाद कार्यक्रम में शिकायत न सुनने पर आशा वर्करों ने सीएम मनोहर लाल के खिलाफ नारेबाजी की। सीएम जैसे ही उठकर जाने लगे आशा वर्कर खड़ी हो गईं और माइक मांगने लगीं। जब उनकी शिकायत नहीं सुनी गई तो आशा वर्करों ने हॉल के बाहर आकर भी नारेबाजी की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	11.10.23	5	3-6

हरियाणा के किसानों ने खेती के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में देश-दुनिया में नाम कमाया : मनोहर लाल

हिसार, 10 अक्तूबर (विरेन्द्र वर्मा): हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा है कि हरियाणा किसान प्रधान प्रदेश है। यहां के किसानों ने कृषि के साथ-साथ अन्य क्षेत्रों में अपना परचम देश और दुनिया में लहराया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल मंगलवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार में आयोजित कृषि मेले के समापन समारोह में किसानों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न प्रकार के कृषि उपकरणों, खाद-बीज की लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन कर जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर साल किसानों को नवाचार और तकनीक बारे ज्ञानवर्धन के लिए कृषि मेला आयोजित किया जाता है। किसानों का उत्साह इस मेले के प्रति बढ़ा है। मुख्यमंत्री ने हरियाणा को किसान प्रधान प्रदेश बताते हुए कहा कि किसानों ने कृषि के क्षेत्र में बहुत तरक्की कर ली है। किसानों ने नई फसलों के साथ साथ नकदी फसलों की खेती करनी शुरू कर दी है। सरकार भी किसानों को खेती और तकनीक बारे जानकारी देने के साथ उन्हें प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन दे रही हैं। किसानों की बदौलत हरियाणा आज तरक्की के मामले में प्रगति के पथ पर अग्रसर है। खेती हमारी जान है तो पहलवान हमारी शान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों के बेटे-बेटियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। अभी हाल ही में हुए एशियन गेम्स में 30 प्रतिशत मैडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। उन्होंने किसानों से अपने खेत की मिट्टी और पानी की जांच करवाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे किसानों को अपने खेत में होने वाली फसल और कौन सी खाद उपयोग में लाई जानी सही है, इसकी जानकारी मिलेगी। किसानों से फसल विविधीकरण अपनाने की अपील करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए सरकार भी किसानों को प्रोत्साहन दे रही है। पानी की बचत करने की दिशा में धान के स्थान पर अन्य फसल को बोने पर 7 हजार रुपये प्रति एकड़ किसान को दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी बाजरा की फसल को हेफेड द्वारा 2200 रुपये प्रति क्विंटल पर खरीदा जा रहा है। सरकार किसानों को इस पर 300 रुपये प्रति क्विंटल भावान्तर भरपाई योजना का लाभ दे रही है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में आयोजित तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के समापन समारोह में प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए। साथ में हैं कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे. पी दलाल, विधायक विनोद भयाना, विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. बी.आर कम्बोज व अन्य गणमान्य।

विविधीकरण से फसल की पैदावार बढ़ाएं : सीएम

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 का समापन

जागरण संवाददाता, हिसार

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि हरियाणा के किसानों में काफी उत्साह है। यह कृषि प्रधान ना होकर किसान प्रधान प्रदेश है। किसानों के बल पर ही हरियाणा प्रदेश प्रगति के पथ पर लगातार आगे बढ़ रहा है। अब किसानों को कृषि में आधुनिकता, गुणवत्ता व फसल विविधीकरण को ध्यान में रखकर फसल की पैदावार बढ़ाने पर जोर देना होगा। इसके लिए सरकार अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष को ध्यान में रखते हुए मोटे अनाजों में बाजरा उगाने वाले किसानों को बढ़ावा दे रही है। वह मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय हरियाणा कृषि विकास मेला-2023 के समापन पर बोल रहे थे। सम्मानीय अतिथि कृषि मंत्री जेपी दलाल रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने की। मुख्यमंत्री ने कृषि मेले की प्रदर्शनी को भी देखा व तीन किताबों का विमोचन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मेले में किसानों को नई तकनीक की जानकारी मिल रही है। किसानों को चाहिए कि वह बेहतर फसल के लिए अपनी मिट्टी और पानी की जांच अवश्य करवाएं। यदि ऐसा नहीं होगा तो बीमारी से स्वास्थ्य खराब होगा। यदि फसल अच्छी होगी तो सेहत अच्छी रहेगी। उन्होंने कहा कि किसानों की बदौलत हरियाणा तरक्की कर रहा है। किसानों ने नई फसलों के साथ साथ नकदी फसलों की खेती करनी शुरू कर दी है। सरकार भी किसानों को खेती और तकनीक बारे जानकारी देने के साथ उन्हें प्रेरित करने के लिए प्रोत्साहन दे रही है। किसानों की बदौलत हरियाणा आज तरक्की के मामले में प्रगति के पथ पर अग्रसर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के मेला ग्राउंड में आयोजित हरियाणा कृषि विकास मेले में किसानों को सम्मानित करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल व साथ में मौजूद कृषि मंत्री जेपी दलाल। • जागरण

एशियन गेम्स में 30 प्रतिशत मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के किसानों के बेटे-बेटियों ने प्रदेश का नाम रोशन किया है। अभी हाल ही में हुए एशियन गेम्स में 30 प्रतिशत मेडल हरियाणा के खिलाड़ियों ने जीते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज आधुनिकता का युग है। खेती में नई तकनीक और मशीनीकरण का अत्यधिक प्रयोग हो रहा है। उन्होंने कहा कि पांच हजार साल पहले हरियाणा के कुरुक्षेत्र में किसान ने हल का मूठा पकड़ा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके लिए सरकार भी किसानों को प्रोत्साहन दे रही है। पानी की बचत करने की दिशा में धान के स्थान पर अन्य फसल को बोने पर सात हजार रुपये प्रति एकड़ किसान को दिया जा रहा है। विधायक विनोद भ्याना, विधायक जोगीराम सिहाग, विधायक लक्ष्मण नापा, हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के अध्यक्ष सुभाष बराला, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के चेयरमैन आदित्य देवीलाल, कृषि विभाग के प्रधान सचिव विजयेन्द्र कुमार, कृषि विभाग के निदेशक डा. नरहरि सिंह बांगड़ मौजूद रहे।

सूरजकुंड मेले की तर्ज पर होगा भविष्य में किसान मेला : जेपी दलाल

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि सूरजकुंड मेले की तर्ज पर हिसार में भविष्य में किसान मेला आयोजित किया जाएगा। इसमें कृषि से संबंधित तमाम नवीनतम अनुसंधानों एवं प्रौद्योगिकी की जानकारी किसानों तक पहुंचाने का काम किया जाएगा। सेम ग्रस्त भूमि के सुधारीकरण के लिए जितना कार्य पिछले 20 वर्षों में नहीं हुआ उतना कार्य वर्तमान सरकार ने कुछ समय में ही करके दिखाया है। प्रदेश भर में लगभग आठ लाख एकड़ क्षेत्र सेम ग्रस्त है। इस वर्ष 70 हजार एकड़ भूमि के सुधारीकरण का लक्ष्य रखा है। इस विकास परियोजना के निर्माण के लिए टेंडर हो चुके हैं। इस मंडी के बनने से प्रदेश के हजारों युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार उपलब्ध होगा। बीमार पशुओं की इलाज के लिए 200 एम्बुलेंस गाड़ियों की खरीदेंगे। फिलहाल 70 गाड़ियों की खरीद के आर्डर दिए जा चुके हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी सभागार में जन संवाद कार्यक्रम में मौजूद लोग। • जागरण

जींद जिला के मोहनखेड़ा गांव के किसान भरत सिंह को मिला जानडियर ट्रैक्टर

कृषि मेले में जींद जिला के मोहनखेड़ा गांव के किसान भरत सिंह का साढ़े सात लाख रुपये का ट्रैक्टर ईनाम में निकला। फतेहाबाद जिले के किरढान गांव के अजीत सिंह की तीन लाख 50 हजार रुपये कीमत का ट्रैक्टर ईनाम में निकला। फतेहाबाद जिले के ही टिब्बी गांव के सुरजीत को दो लाख 50 हजार रुपये कीमत की लैंड लेवलर मशीन, पंजाब के गंगा अब्दुल गांव के गुरविंदर सिंह को एक लाख 75 हजार रुपये की सुपर सीडर मशीन तथा जींद जिला के दरोली गांव के किसान अंकित को 74 हजार रुपये की इलेक्ट्रिक पावर वीडर मशीन ईनाम में निकली।

विवि के लिए किसानों का हित सर्वोपरि : कुलपति

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि विश्वविद्यालय किसानों की प्रगति के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों, सब्जियों, तिलहनों, चारा आदि की 284 उन्नत किस्में विकसित करके किसानों को दी है ताकि वे अधिक उत्पादन लेकर ज्यादा लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि युवा किसानों को स्वरोजगार शुरू करने में मदद करने के लिए उनको तकनीकी ज्ञान व उद्यमशीलता की ट्रेनिंग दी जा रही है। विश्वविद्यालय ने इस वर्ष 16500 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	11.10.23	2	6-8

प्रदेश में खारे पानी व सेम समस्या से ग्रसित 70 हजार एकड़ जमीन को सुधारेंगे : दलाल

एचएयू में आयोजित कृषि विकास मेले के समापन समारोह में बोले कृषि मंत्री

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रदेश में खारे पानी और सेम की समस्या के समाधान के लिए 70 हजार एकड़ जमीन को सुधारने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसानों को एकत्रित करके एफपीओ बनाकर खेती करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। अभी तक 600 से ज्यादा एफपीओ बनाए गए हैं जो किसानों की आय बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होंगे। वे मंगलवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कृषि विकास मेले के समापन समारोह में बोल रहे थे।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने कहा कि विश्वविद्यालय ने विभिन्न फसलों, फलों, सब्जियों, तिलहनों, चारा आदि की 284 उन्नत किस्में विकसित करके किसानों को दी है ताकि वे अधिक उत्पादन लेकर ज्यादा लाभ प्राप्त कर सकें। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय ने हाल ही में बाजरे, ज्वार, गेहूं व सरसों की नई-नई किस्में विकसित की हैं व मोटा अनाज वाली फसलों पर भी शोध कार्य चल रहा है। विश्वविद्यालय ने एग्री-बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर के माध्यम से अब तक 100 से अधिक स्टार्टअप्स तैयार किए हैं।

इसके अलावा विश्वविद्यालय ने इस वर्ष 18500 क्विंटल उच्च गुणवत्ता वाली किस्मों का बीज उपलब्ध करवाया है। विश्वविद्यालय की ओर से कुल 60 पेटेंट आवेदन किए हैं, जिनमें से 20 को स्वीकृति मिल चुकी है।

इस अवसर पर विधायक विनोद भयाना, विधायक जोगीराम सिहाग, विधायक लक्ष्मण नापा, हरियाणा सार्वजनिक उपक्रम ब्यूरो के अध्यक्ष सुभाष बराला, आदित्य देवीलाल, कृषि विभाग के प्रधान सचिव विजयेन्द्र कुमार, कृषि विभाग के निदेशक डॉ. नरहरि सिंह बांगड़ मौजूद रहे।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि विकास मेले में लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। साथ हैं कृषि मंत्री जेपी दलाल। संवाद : [illegible]

मैंने व मेरे पूर्वजों ने भी की है थोड़ी बहुत खेती

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि आप सोच रहे होंगे कि एक मुख्यमंत्री किसानों को संबोधित कर रहा है। मैंने, मेरे पिताजी, दादा व पड़दादा ने भी थोड़ी बहुत खेती की है। मुझे याद है वर्ष 1970 के आसपास की बात। खेत में सब्जियां उगाने के लिए बाल्टी से पानी डाला जाता था। उस समय पानी की कमी होती है। मगर सब्जी बोई जाती थी, क्योंकि उसमें आमदनी ज्यादा थी। मगर आज कितने सिंचाई के साधन हो गए हैं।

छोटे किसान भी कर रहे हैं आधुनिक खेती

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में छोटी जोत वाले किसान भी नए तरीके से खेती कर रहे हैं। मैंने देखा कि एक किसान अपने खेत में ड्रैगन फ्रूट उगा रहा है। बेशक इसमें लाखों रुपये का निवेश है, लेकिन उसकी प्रति एकड़ कमाई भी लाखों में है। हमने ऐसे किसानों के लिए योजनाएं बनाईं। अगर ऐसे किसान 10 नए किसान तैयार करें तो हर साल ऐसे किसानों की संख्या बढ़ती जाएगी। मेरा किसानों से निवेदन है कि इस तरह की खेती करें। मुख्यमंत्री ने पानी संकट पर कहा कि कई जगहों पर पानी का जलस्तर काफी नीचे पहुंच गया है। धान की बिजाई करने वाले लोग पानी का बहुत ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं। इसे देखकर हमने योजना बनाई कि किसान यदि धान के बजाय दूसरी फसल पर आ जाते हैं तो 7 हजार रुपये प्रति एकड़ किसान को पैसा देंगे। अब हर साल एक लाख एकड़ तक पर धान छोड़कर दूसरी फसल बोई जा रही है।

मेले में हरियाणा व पड़ोसी राज्यों से करीब 2 लाख किसान आए

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज बताया कि मेले में हरियाणा सहित पड़ोसी राज्यों से करीब 2 लाख किसान शामिल हुए। इस दौरान किसानों ने करीब 2.02 करोड़ रुपये के रबी फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज खरीदे। इसके अलावा करीब 70 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज भी खरीदे। इसके अलावा किसानों ने 1.91 लाख रुपये के जैव उर्वरक और 97 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेला स्थल पर किसानों ने मिट्टी व पानी के 900 नमूने टेस्ट करवाए। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की तरफ से संकलित तीन पुस्तकों का विमोचन भी किया।